BH$mB - III

10. dZ H$ `mJ `

àíZ …

1. {MÌ ` ³¶m {X I m¶r X ahm h?
2. AZ`mZ bJmAm Amam ~VmAm {H$ {MÌ ` H$mZ-H$mZ h?
3. dZ ` bmJm H$m ³¶m-³¶m H${R>ZmB¶m hmVr hmJr?

N>mÌm H$ {bE gMZmE …

1. nmR> nT>& H${R>Z eãX Amam dm³¶ a I m{H$V H$s{OE&
2. H${R>Z eãXm Amam dm³¶m H$ ~ma ` {`Ìm g MMm H$s{OE&
3. H${R>Z eãXm H$ AW eãXH$me ` T{T>E&

सवैया

पुर तें निकसी रघुबीर-बधू, धरि धीर दए मग में डग द्वै।
झलकीं भरि भाल कनी जल की, पुट सूखि गए मधुराधर वै।।
फिरि बूझति हैं, "चलनो अब केतिक, पर्नकुटी करिहौं कित ह्वै?"।
तिय की लखि आतुरता पिय की अँखियाँ अति चारु चलीं जल च्वै।

"जल को गए लक्खनु, हैं लरिका परिखौ, पिय! छाँह घरीक ह्वै ठाढ़े।पोंछि पसेउ बयारि करौं, अरु पायँ पखारिहौं भूभुरि-डाढ़े।।"
तुलसी रघुबीर प्रियाश्रम जानि कै बैठि बिलंब लौं कंटक काढ़े।
जानकीं नाह को नेह लख्यौ, पुलको तनु, बारि बिलोचन बाढ़े।।

❑ *तुलसीदास*

© not to be republished

g{ZE--~m{bE

1. ZJa H$ ~mha Xm nJ MbZ H$ ~mX grVm H$s Xem I am~ ³¶m hm J¶r?
2. am`m¶U H$ ~ma ` V` ³¶m OmZV hm?

n{T)E

1. 'अब और कितनी दूर चलना है, पर्णकुटी कहाँ बनाइएगा'–किसने किससे पूछा और क्यों?
2. पाठ के आधार पर वन के मार्ग का वर्णन अपने शब्दों में H$s{OE&

{b{I E

1. राम ने थकी हुई सीता की क्या सहायता की?
2. दोनों सवैयों के प्रसंगों में अंतर स्पष्ट H$s{OE&

eãX ^Sma

1. {ZåZ eãXm H$ dm³¶ à¶mJ H$s{OE&

Mné = ,   HQH = ,   ~¶ma = ,   bmMZ =

gOZmË`H$ A{^ì¶p³V

- gd¶ amJ¶³V JmBE& àñVV H$s{OE& grVm H$ {dMmam H$m gZZ H$ ~mX am` Z ³¶m H$hm hmJm?

àegm

- VbgrXmg H$ Abdm AÝ¶ H${d¶m H$s aMZmAm ` àm\V hmZ dmb Zr{VnaH$ `ë¶m H$ CXmhaU Xr{OE&

© SCERT not to be republished

^mfm H$s ~mV

1. लखि – देखकर धरि – रखकर
   पोंछि – पोंछकर जानि – जानकर

- ऊपर लिखे शब्दों और उनके अर्थों को ध्यान से देखो। हिंदी में जिस उद्देश्य के लिए हम क्रिया में 'कर' जोड़ते हैं, उसी के लिए अवधी में क्रिया में f (इ) को जोड़ा जाता है, जैसे–अवधी में बैठ + f = बैठि और हिंदी में बैठ + कर = बैठकर। तुम्हारी भाषा या बोली में क्या होता है? अपनी भाषा के ऐसे छह शब्द लिखो। उन्हें ध्यान से X{IE और कक्षा में ~VmBE&

2. "{`QQr का गहरा अंधकार, डूबा है उसमें एक बीज।"

   उसमें एक बीज डूबा है।

- जब हम किसी बात को कविता में कहते हैं तो वाक्य के शब्दों के क्रम में बदलाव आता है, जैसे–"छाँह घरीक ह्वै ठाढ़े" को गद्य में ऐसे लिखा जा सकता है "छाया में एक घड़ी खड़ा होकर"। उदाहरण के आधार पर नीचे दी गई कविता की पंक्तियों को गद्य के शब्दक्रम में {b{IE&
  - पुर तें निकसी रघुबीर-बधू,
  - पुट सूखि गए मधुराधर वै।।
  - बैठि बिलंब लौं कंटक काढ़े।
  - पर्नकुटी करिहौं कित ह्वै?

³¶m ` ¶ H$a gH$Vm h?	हाँ (√)	नहीं (×)
1. H${dVm Jm gH$Vm h& gZm gH$Vm h& ^md ~Vm gH$Vm h&		
2. Bg ñVa H$s H${dVmAm H$m ^md nT>H$a g`P gH$Vm h&		
3. Bg ñVa H$ H${dVmAm H$m ^md g{hV ì¶m»¶m H$a gH$Vm h&		
4. H${dVmAm H$ eãXm g dm³¶ ~Zm gH$Vm h&		
5. H${dVm H$ ^md H$m Z¶r {dYm ` {bIm gH$Vm h&		

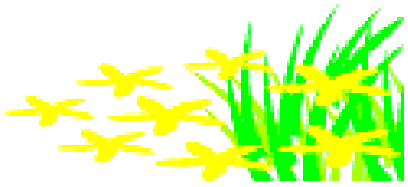

© NCERT not to be republished